बाघिन का शिकार करने वाले 5 आरोपी धराये

उमरिया। वन विकास निगम के चंदिया परिक्षेत्र में एक बार फिर इंसानी लालच ने जंगल की शान बाघिन का गला घोंट दिया। शिकारियों ने करंट का ऐसा खूनी खेल खेला कि बेजुबान बाघिन को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हालांकि, इस बार वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए शिकार के इस संगठित गिरोह के 5 गुर्गों को दबोच लिया है। शुक्रवार को कोर्ट में पेशी के बाद आरोपियों को 6 दिन की रिमांड पर लिया गया है, ताकि इस शिकारी सिंडिकेट की आखिरी कड़ी तक पहुंचा जा सके।

छिंदिया टोला के पास मजगवां मार्ग पर इन दरिंदों ने दुस्साहस की सारी हदें पार कर दी थीं। आरोपियों ने बिजली विभाग की 11 के.व्ही. हाईटेंशन लाइन में जीआई तार फंसाकर उसे जमीन पर बिछा दिया था। जैसे ही बाघिन इस रास्ते से गुजरी, वह इस ट्रैप की चपेट में आ गई और मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। पकड़े गए आरोपियों में राजेश उर्फ बउरा बैगा, नत्थू बैगा, पुरुषोत्तम, संजय और अल्लू कोल शामिल हैं।

वन विभाग ने इनके खिलाफ वन अपराध प्रकरण क्रमांक 015/38 तो दर्ज किया ही है, साथ ही विद्युत विभाग को भी पत्र लिखकर कड़ा एक्शन लेने को कहा है। अब इन पर भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 138 और 139 के तहत अलग से गाज गिरेगी। शिकार का यह करंट वाला फार्मूला अब जंगल के लिए कैंसर बनता जा रहा है, जिसमें न सिर्फ वन्यजीव बल्कि कई बार ग्रामीण भी अपनी जान गंवा बैठते हैं।

6 दिन की रिमांड वन विभाग के लिए अग्निपरीक्षा है। सवाल यह है कि क्या ये पांचों सिर्फ मोहरे हैं या इनके पीछे कोई बड़ा खरीदार बैठा है? उमरिया और आस-पास के जंगलों में जिस तरह से करंट का जाल फैल रहा है, वह वन सुरक्षा व्यवस्था पर भी तगड़े सवाल खड़े करता है। फिलहाल, टीम पूछताछ में जुटी है और आने वाले दिनों में कुछ और बड़े शिकारियों के गर्दन तक कानून का हाथ पहुंचने की पूरी संभावना है।

नशेड़ी ने दुकान में घुसकर की तोडफ़ोड़

दुकानदार को दी जान से मारने की धमकी

बुढार। शहर के सबसे व्यस्त जैतपुर तिराहे पर गुरुवार की शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब नशे में धुत एक युवक ने उत्पात मचाते हुए सरकारी व्यवस्था और कानून के खौफ को ठेंगा दिखा दिया। नशे की खुमारी में चूर इस युवक ने न केवल एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक दुकान को निशाना बनाया, बल्कि बीच सडक पर हाई-वोल्टेज हंगामा कर पुलिस को भी पसीने ला दिए। पुलिस ने उसे काबू में करने के लिए देशी अंदाज अपनाया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, जैतपुर तिराहे स्थित विक्की गुप्ता की इलेक्ट्रॉनिक दुकान में सुनील कुमार शुक्ला नामक युवक नशे में लडखड़ाते हुए दाखिल हुआ। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, सुनील ने दुकान में रखे कीमती सामान को तहस-नहस करना शुरू कर दिया। जब दुकानदार ने उसे रोकने की जहमत उठाई, तो आरोपी ने सारी मर्यादाएं लांघते हुए मां-बहन की गालियां देना शुरू कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।

हंगामे की सूचना मिलते ही डायल 112 और बुढार पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। खाकी को सामने देखकर आरोपी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की शुरू कर दी और सरकारी वाहन में बैठने से साफ इनकार कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और वायरल वीडियो के अनुसार, जब नशेड़ी युवक काबू में नहीं आया, तो पुलिस ने भी संयम खो दिया। वीडियो में पुलिसकर्मी युवक को लात से प्रहार कर वाहन में ठूंसते नजर आ रहे हैं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी तीखे सवाल खड़े हो रहे हैं।

बुढार पुलिस ने दुकानदार विक्की गुप्ता की शिकायत पर आरोपी सुनील कुमार शुक्ला के विरुद्ध गाली-गलौज, मारपीट, तोडफ़ोड़ और जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का तर्क है कि भीड़ को नियंत्रित करने और आरोपी के उग्र व्यवहार को देखते हुए बल प्रयोग अनिवार्य था। फिलहाल, आरोपी सलाखों के पीछे है, लेकिन इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और सरेराह होने वाली गुंडागर्दी पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

शादी का झांसा देकर किया युवती का शोषण, आरोपी धराया

शहडोल।

शादी का झांसा देकर आबरू से खिलवाड़ और फिर सोशल मीडिया पर डिजिटल कैरेक्टर एसेसिनेशन करने वाले एक शातिर को जयसिंहनगर पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। हरीओम बस के खलासी ने न केवल एक युवती का शारीरिक शोषण किया, बल्कि उसकी शादी तोडने की नीयत से होने वाले ससुराल तक अश्लील फोटो भेज दिए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी राजेश भुर्तिया को गिरफ्तार कर हवालात की हवा खिला दी है। घटना का सिलसिला वर्ष 2024 से शुरू हुआ, जब पढ़ाई के लिए बस से आने-जाने के दौरान पीड़िता की पहचान तालीकला निवासी आरोपी राजेश भुर्तिया (यादव) से हुई। आरोपी ने शादी का सब्जबाग दिखाकर अगस्त 2024 में पीड़िता को जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी का दुस्साहस इतना बढ़ा कि वह पीड़िता के किराए के कमरे पर भी उसका लगातार शारीरिक शोषण करता रहा।

जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी अपने असली रंग में आ गया। उसने न केवल शादी से इनकार किया, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। दरिंदगी की हद तो तब हो गई जब आरोपी ने पीड़िता की मर्जी के बिना खींची गई तस्वीरों को उसके होने वाले ससुराल के व्हाट्सएप नंबर पर वायरल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने पीड़िता के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अश्लील फोटो अपलोड कर दिए, ताकि समाज में उसे कहीं मुंह दिखाने लायक न छोड़े। पीड़िता की हिम्मत और पुलिस की सक्रियता ने आरोपी के घिनौने साम्राज्य को ढहा दिया। जयसिंहनगर पुलिस ने आरोपी राजेश भुर्तिया उम्र 24 वर्ष के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी, आईटी एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। 10 अप्रैल को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को तालीकला से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस त्वरित कार्यवाही में थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा, सउनि अनिल गौतम और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शहडोल में सरकारी काल बनकर खड़ा जर्जर भवन

कायाकल्प के बजट की बलि चढ़ी मंडी, अब नोटिस की आड़ में छिपाई जा रही प्रशासनिक संवेदनहीनता!

शहडोल। संभागीय मुख्यालय की नगरपालिका इन दिनों सुरक्षा के नाम पर संवेदनहीनता का ऐसा खूनी खेल खेल रही है, जिसे देखकर मानवीय संवेदनाएं भी शर्मसार हो जाएं। शहर की सब्जी मंडी, जहां हजारों लोगों की चहल-पहल रहती है, वहां एक जर्जर चबूतरा और भवन साक्षात काल बनकर खड़ा है। लेकिन हमारा प्रशासन धन्य है! नगरपालिका की मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशा जितेन्द्र भण्डारी ने जनहित के नाम पर एक ऐसा शाब्दिक चमत्कार (नोटिस) दीवार पर चिपकाया है, जो प्रशासनिक चालाकी और गैर-जिम्मेदारी की पराकाष्ठा है।

जवाबदेही से बचने की मास्टरक्लास

नगरपालिका द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना (क्रमांक 11061/राजस्व/2026) में साफ लिखा है कि भवन अत्यंत जर्जर है, अतः इसके नीचे व्यवसाय न करें, लेकिन इस चालाकी भरी लाइन अंत में लिखी है कि यदि किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो समस्त जिम्मेदारी संबंधित की होगी। वाह! क्या शानदार तरीका है जवाबदेही से बचने का। नगरपालिका ने एक कागज का टुकड़ा चिपकाकर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री कर ली है। अब अगर वह जर्जर छत किसी गरीब व्यापारी या मासूम ग्राहक के सिर पर गिरती है और उसकी जान जाती है, तो नगरपालिका कह देगी कि हमने तो पहले ही मना किया था।

वैकल्पिक व्यवस्था शून्य

नगरपालिका ने फरमान तो सुना दिया, लेकिन उन व्यापारियों का क्या, जिनका चूल्हा रोज मंडी में बैठने से जलता है? क्या प्रशासन ने उन्हें बैठने के लिए एक इंच जगह भी वैकल्पिक तौर पर उपलब्ध कराई? यही कारण है कि नोटिस चस्पा होने के बावजूद आज भी लाचार व्यापारी उसी जर्जर चबूतरे के नीचे अपनी दुकानें सजा रहे हैं। उनके पास दो ही विकल्प हैं या तो भूख से मरें या फिर इस जर्जर छत के नीचे दबकर मरने का इंतजार करें। प्रशासन ने उन्हें बेसहारा छोडक़र अपनी फाइलों को सुरक्षित कर लिया है।

कायाकल्प के नाम पर कागजी सफाई

नगरपालिका के गलियारों में दबी जुबान में चर्चा है कि बीते वर्ष ही इस सब्जी मंडी के कायाकल्प के नाम पर मोटी रकम डकारी गई थी। जनता पूछ रही है कि अगर कायाकल्प हुआ था, तो साल भर के भीतर ही भवन इतना जर्जर कैसे हो गया कि उसे गिराने की नौबत आ गई? क्या वह बजट केवल कागजी पुताई और भ्रष्ट अधिकारियों की जेबें भरने के काम आया? क्या इस जर्जर भवन की ईंटों में भ्रष्टाचार का मसाला लगा है?

शहर गंदगी के ढेर पर

नगरपालिका की मुखिया और उनका अमला केवल फोटो खिंचवाओ सफाई अभियान और सरकारी कोरम पूर्ति में व्यस्त है। शहर अतिक्रमण की चपेट में है, गंदगी का अंबार लगा है, लेकिन अगर कोई जागरूक नागरिक समस्या लेकर सीईओ महोदया से मिलना चाहे या फोन पर संपर्क साधना चाहे, तो यह टेढ़ी खीर साबित होता है। साहबों के पास एसी कमरों में बैठकर नोटिस जारी करने का समय है, लेकिन जमीन पर उतरकर समाधान निकालने का नहीं।

सिर्फ नोटिस ही समाधान

एक ओर नगरपालिका कहती है कि भवन के उपचार की कार्यवाही की जा रही है, तो दूसरी ओर उसे बेवारिस छोड़ दिया गया है। अगर भवन इतना ही खतरनाक है, तो उसे तत्काल ध्वस्त क्यों नहीं किया गया? वहां बैरिकेडिंग क्यों नहीं की गई ताकि कोई उसके नीचे जा ही न सके? सिर्फ एक नोटिस चिपकाकर बैठ जाना क्या यह नहीं दर्शाता कि प्रशासन को किसी की जान की फिक्र नहीं है? नगरपालिका को सिर्फ अपनी फाइल और बचाव की चिंता है। अगर कल कोई अनहोनी हुई और किसी का सुहाग उजड़ा या कोई अनाथ हुआ, तो क्या मुख्य नगरपालिका अधिकारी उस गरीब परिवार के आंसू पोंछने आएंगी जिसकी रोजी-रोटी का ठिकाना इसी जर्जर छत के नीचे है? यह नोटिस नहीं, बल्कि प्रशासन की नाकामी का इकरारनामा है।

महुआ बीन रही महिला का बाघ ने किया शिकार

उमरिया। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर से लेकर कोर एरिया तक अब इंसानी खून की गंध फैलने लगी है। पनपथा कोर परिक्षेत्र के ग्राम झलवार में बाघ ने एक बार फिर महुआ बीनने गई महिला को अपना निवाला बना लिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने न केवल प्रबंधन की चौकसी की पोल खोल दी है, बल्कि पूरे इलाके को दहशत और आक्रोश की आग में झोंक दिया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्रामीण महिला दोपहर के वक्त घर की गुजर-बसर के लिए महुआ बीनने जंगल गई थी। उसे क्या पता था कि झाडिय़ों में मौत घात लगाए बैठी है। बाघ ने अचानक हमला कर उसे मौत की नींद सुला दिया। जब घंटों बाद वह घर नहीं लौटी, तो तलाश में निकले परिजनों के होश उड़ गए, जंगल में महिला का लहूलुहान शव पड़ा मिला। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा और पार्क प्रबंधन के खिलाफ नारों से आसमान गूंज उठा।

घटनास्थल पर पहुंचे वन अमले को ग्रामीणों के तीखे गुस्से का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि बाघों की बढ़ती सक्रियता के बावजूद पार्क प्रबंधन कुंभकर्णी नींद सो रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने पूछा कि जब बाघ बस्तियों और महुआ के पेड़ों तक पहुंच रहे हैं, तो गश्ती दल और सुरक्षा घेरा कहां गायब है? पार्क प्रबंधन सिर्फ कागजों पर सतर्कता बरत रहा है, जबकि जमीन पर ग्रामीण रोज मौत से दो-दो हाथ कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मृतक महिला के परिवार के लिए तत्काल भारी मुआवजे और क्षेत्र में पुख्ता सुरक्षा इंतजामों की मांग की है। हालांकि वन अधिकारी जांच और सतर्क रहने की सलाह का पुराना राग अलाप रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या महज सलाह से बाघों के हमले रुक जाएंगे? इस घटना ने एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष के उस जख्म को हरा कर दिया है, जिसे भरने में प्रशासन अब तक नाकाम रहा है। अब देखना होगा कि क्या किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही जिम्मेदार जागेंगे?

एमपी पुलिस में बैण्ड आरक्षक बनने का सुनहरा मौका

शहडोल पुलिस ने युवाओं में भरा जोश

शहडोल। जिले के युवाओं के लिए वर्दी पहनने और संगीत के हुनर को करियर बनाने का शानदार अवसर सामने आया है। मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक (बैण्ड) के 679 पदों पर होने वाली सीधी भर्ती का बिगुल फूंकते हुए आज शहडोल पुलिस ने शहर के हृदय स्थल जय स्तंभ चौक पर अपनी धमक दिखाई। पुलिस बैण्ड दल के शानदार प्रदर्शन ने न केवल राहगीरों के कदम थाम लिए, बल्कि युवाओं को देशसेवा के लिए प्रेरित भी किया।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर आयोजित इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम में 6वीं वाहिनी जबलपुर की बैण्ड पार्टी ने अपनी सुमधुर और देशभक्तिपूर्ण धुनों से समां बांध दिया। इस संगीतमय प्रदर्शन का मकसद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संगीत प्रेमी युवाओं को आगामी भर्ती प्रक्रिया, आवश्यक शारीरिक मापदंडों और तकनीकी योग्यताओं की सटीक जानकारी देना था।

डीएसपी मुख्यालय राजेन्द्र मोहन दुबे और प्रभारी रक्षित निरीक्षक ब्रजलाल रोकड़े की मौजूदगी में पुलिस टीम ने युवाओं को बताया कि कैसे वे अपनी कला के जरिए एमपी पुलिस का अभिन्न हिस्सा बन सकते हैं। जय स्तंभ चौक पर उमड़ी भीड़ इस बात का गवाह थी कि शहडोल के युवाओं में रोजगार और देशसेवा को लेकर जबरदस्त उत्साह है। पुलिस का यह आउटरीच प्रोग्राम युवाओं को बिचौलियों से बचने और सीधे योग्यता के दम पर खाकी पहनने का संदेश दे गया।

प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने लगाई थी आग

दो महिला आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहडोल। प्रेम विवाह के पवित्र बंधन का ऐसा खौफनाक अंत होगा, किसी ने नहीं सोचा था। देवलोंद थाना क्षेत्र के बाणसागर में एक युवक ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की बेवफाई और उसकी सहेली की उकसाहट से तंग आकर मौत को गले लगा लिया। पुलिस ने इस मामले में मौत की पटकथा लिखने वाली आरोपी पत्नी और उसकी मददगार सहेली को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

मृतक रवि कचेर उम्र 35 वर्ष का वर्ष 2012 में ज्योति सिंह के साथ प्रेम विवाह हुआ था। तीन बच्चों की किलकारियों से गूंजने वाला घर पिछले एक साल से कलह का अखाड़ा बन गया था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ज्योति सिंह का किसी गैर मर्द के साथ लगातार मोबाइल पर संपर्क बना हुआ था। इसी सीक्रेट कॉल को लेकर रवि और ज्योति के बीच विवाद की चिंगारी सुलग रही थी।

बीती 2 अप्रैल की रात विवाद इतना बढ़ा कि ज्योति अपनी सहेली रानी द्विवेदी के घर चली गई। आरोप है कि रानी द्विवेदी ने आग में घी डालने का काम किया और ज्योति को अपने पति से तलाक लेने के लिए उकसाने लगी। अपनी गृहस्थी को बिखरता देख रवि कचेर मानसिक संतुलन खो बैठा और 3 अप्रैल को उसने रानी द्विवेदी के घर के सामने ही खुद पर पेट्रोल छिडक़कर आग लगा ली। रीवा में इलाज के दौरान रवि ने दम तोड़ दिया।

थाना प्रभारी सुभाष दुबे के नेतृत्व में देवलोंद पुलिस ने बारीकी से जांच की तो पाया कि रवि की मौत के लिए उसकी पत्नी ज्योति कचेर और सहेली रानी द्विवेदी सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। पुलिस ने धारा बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक सुभाष दुबे, प्रधान आरक्षक दिनेश शुक्ला और उनकी टीम ने भूमिका निभाई।

पेंशन हमारा हक, निजीकरण को दफन करना ही लक्ष्य

खुले सत्र में जीएम की मौजूदगी और रसद की हुंकार

शहडोल। भारतीय रेलवे के निजीकरण की साजिशों और नई पेंशन योजना के दंश के खिलाफ रेल कर्मचारियों ने अब निर्णायक शंखनाद कर दिया है। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में देश भर के रेल दिग्गजों ने हुंकार भरते हुए साफ कर दिया है कि जब तक ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल नहीं होती, तब तक पहिया थमेगा नहीं और संघर्ष रुकेगा नहीं।अधिवेशन के मुख्य वक्ता और राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एम. राघवैया ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि निजीकरण को रोकना और खाली पदों को भरना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे को बेचने की किसी भी कोशिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह ने नए लेबर कोड को कर्मचारी विरोधी करार देते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि 8 वें वेतन आयोग के गठन में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।जोनल मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव और मजदूर कांग्रेस के जोनल प्रवक्ता गोपी राव के मुताबिक, इस तीन दिवसीय आयोजन का आगाज ही ऐतिहासिक महारैली से हुआ। बिलासपुर के रेल क्षेत्र में जब हजारों रेल कर्मचारी अपनी मांगों की तख्तियां लेकर सडकों पर उतरे, तो सिस्टम की चूलें हिल गईं। यह रैली केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि केंद्र सरकार को कर्मचारियों की एकजुटता का ट्रेलर था।अधिवेशन के खुले सत्र में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुमान सिंह ने की, जबकि स्वागत भाषण मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण ने दिया। जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन ने संगठन की आगामी रणनीतियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान देश के सभी 17 रेल जोनों से आए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान किया गया।जोनल कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र रवि धल के संचालन में चली इस सभा में 17 रेल जोन के भारी संख्या में पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का सार यही रहा कि रेलवे के खाली पदों पर भर्ती न होना न केवल कर्मचारियों पर बोझ बढ़ा रहा है, बल्कि सुरक्षा के लिए भी खतरा है। मजदूर कांग्रेस ने संकल्प लिया है कि अब यह लड़ाई सिर्फ मेजों पर नहीं, बल्कि पटरियों और सडकों पर लड़ी जाएगी।

खेर माई मंदिर में सजेगा भगवान परशुराम का दरबार

विप्र समाज ने फूंका महोत्सव का शंखनाद

शहडोल। शस्त्र और शास्त्र के प्रणेता, भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव को इस वर्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ऐतिहासिक भव्यता देने जा रही है। शिवम कॉलोनी स्थित सिद्ध खेर माई मंदिर परिसर में आयोजित तैयारी बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर पूजन, कीर्तन और विप्र समागम का भव्य आयोजन इसी पवित्र स्थल पर किया जाएगा।

जिला संयोजक पंडित अनिल शुक्ला और जिला अध्यक्ष पं. बद्री प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में भगवान परशुराम की वीरता और उनके आदर्शों को याद किया गया। विप्र समाज ने तय किया है कि सुबह 9 बजे से खेर माई मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन, हवन और भजन-कीर्तन का सिलसिला शुरू होगा। परिषद ने जिले के समस्त विप्र बंधुओं से सपरिवार इस आध्यात्मिक उत्सव में सहभागी बनने की अपील की है। उत्सव को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए परिषद ने अनुभवी कंधों पर जिम्मेदारियां सौंपी हैं। पंडित चंद्रिका पाठक के नेतृत्व में संपन्न होगा। पंडित लखन अवस्थी व्यवस्था संभालेंगे। पंडित सुशील शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। अनुमति एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु पंडित राम मिलन शर्मा अधिकृत किए गए हैं।

बैठक में परिषद की नई नियुक्तियों को लेकर भी मंथन किया गया, जिसकी आधिकारिक घोषणा अक्षय तृतीया के शुभ दिन ही की जाएगी। जिला संयोजक अनिल शुक्ला ने स्पष्ट किया कि परंपरा के अनुसार सुबह का समय पूजन और हवन के लिए समर्पित रहेगा, जबकि शाम को विप्र समाज पूरी ऊर्जा के साथ शहर में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होकर एकता का प्रदर्शन करेगा। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष दयाशंकर शुक्ल, संभाग अध्यक्ष त्रिलोकी नाथ गर्ग, विशेष अतिथि प्रकाश तिवारी एवं अमर मिश्रा सहित भारी संख्या में मातृशक्ति और वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। शकुंतला मिश्रा, निधि तिवारी, वीणा तिवारी सहित कई विप्र बंधुओं ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक का समापन भगवान परशुराम के जयघोष के साथ हुआ, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो गया।

अंबरीश कुमार पटेल का मध्य प्रदेश पुलिस में चयनित

ब्योहारी। अंबरीश कुमार पटेल, पिता स्व. श्री रामदिनेश पटेल जी भोगिया वार्ड 4 ब्यौहारी जिला शहडोल को पुलिस में चयन हुआ है। इस उपजलब्धि पर परिवारजनों व शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए ढेर सारी शुभकामनाएं दी है। मेधावी अंबरीश पटेल की किस्मत मेहनत से रंग लाई। यह गर्व का क्षण है। होनहार युवा अम्बरीश MP पुलिस में स्थान बनाकर ब्यौहारी समाज का मान बढ़ाया है।

बड़े पापा रामकेश पटेल चाचा विजय पटेल राम सुहावना मम्मी सरला पटेल एवं दीदी बड़ी बहन अर्चना पटेल काफी संघर्ष में जीवन यापन होने के बाद इस मुकाम पर उनका बेटा आज एमपी पुलिस में चयन हुआ है जो बड़े हर्ष का विषय है और परिवार में एक खुशियों का दिन आया है जो उनके बड़े भाई राजकुमार पटेल और भाभी उनकी आरती पटेल विकास पटेल शिबू पटेल उनके परिवार में लगभग 35 से 40 लोग एक साथ परिवार में फैमिली में रह रहे हैं और इस खुशी को जाहिर कर रहे हैं की हम जो संघर्ष किए हैं उसका हमारे पूर्वजों का यह आशीर्वाद प्राप्त हुआ है ग्राम पंचायत बसही नाम रोशन किया है

खबर संक्षेप

17 अप्रैल को युवा संगम रोजगार मेला

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन शासकीय आई टी आई उमरिया में 17 अप्रैल किया गया है। युवा संगम रोजगार में विभिन्न कंपनियों व्दारा भाग लिया जाएगा, जिसके माध्यम से युवक, युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

पोषण अभियान अंतर्गत आठवां पोषण पखवाड़ा 23 अप्रैल तक मनाया जाएगा

उमरिया। पोषण अभियान अंतर्गत आठवे पोषण पखवाड़े का आयोजन 23 अप्रैल तक व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है जिसमें महिला एवं बाल विकास के साथ अन्य विभागों कि सहभागिता सुनिश्चित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,प्राचार्य पीएमश्री शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला आयुष अधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, परियोजना अधिकारी मबावि परियोजना समस्त से कहा है कि पोषण पखवाड़ा गतिविधि कैलेंडर अनुसार 23 अप्रैल तक महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर कार्यक्रम आयोजित करते हुए प्रतिवेदन महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें । असंगठित क्षेत्र के श्रमिक प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना का उठाए लाभ

पंजीयन प्रक्रिया करा पात्र श्रमिक ले सकेंगे पेंशन योजना का लाभ

अनूपपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना प्रारंभ की गई है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए बुढ़ापे का मजबूत सहारा होगी इस योजना के माध्यम से 60 वर्ष की आयु के बाद हर महीने इस योजना के पंजीकृत श्रमिकों को निश्चित पेंशन रुपए 3 हजार की पेंशन प्राप्त होगी इस योजना के तहत बराबर का योगदान जितना आप जमा करेंगे भारत सरकार उतना ही जमा करेगी पारिवारिक सुरक्षा लाभार्थी की मृत्यु के बाद नामिनी को 50 प्रतिशत पेंशन का लाभ प्राप्त होगा इस संबंध में आप अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर मानधान पोर्टल पर श्रमिक स्वयं को रजिस्टर करा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधान योजना का लाभ 18 से 40 वर्ष के बीच के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार या उससे कम हो उठा सकेंगे श्रमिक ईपीएफओ, ईएसआईसी या एनपीएस के सदस्य नहीं होना चाहिए। पंजीयन हेतु आधार कार्ड, बचत बैंक खाता या जनधन खाता, आईएफएससी कोड के साथ तथा मोबाइल नंबर आवश्यक है।

अमानक स्तर का पानी मिलने पर किया जब्त

कटनी। रेलवे कमर्शियल डिपार्टमेंट ने पुणे से दरभंगा जा रही पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रेन में अवैध रूप से ले जाया जा रहा अमानक स्तर का पेयजल बरामद किया गया, जिसे कटनी स्टेशन पर उतरवाकर विभाग ने अपनी सुपुर्दगी में ले लिया। कमर्शियल विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि ट्रेन में रेलवे द्वारा प्रतिबंधित ब्रांड का पानी खपाने की कोशिश की जा रही है जैसे ही ट्रेन कटनी स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर रुकी, वाणिज्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सघन चेकिंग शुरू की।

नगर निगम का सामान्य सम्मेलन 15 अप्रैल को

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी का सामान्य सम्मेलन 15 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे निगम सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में शहर के विकास, कर निर्धारण, बजट एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे। सम्मेलन की कार्यसूची के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित बजट एवं वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित बजट पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही जलकर से संबंधित अधिभार, संपत्तिकर निर्धारण में संशोधन तथा कर योग्य संपत्तियों के मूल्य में वृद्धि जैसे मुद्दे भी एजेंडे में शामिल हैं।

शहडोल से दिल्ली तक जुड़े तार

रेलवे की लाइफ लाइन पर मोहसिन गैंग का डाका

अनूपपुर आरपीएफ ने बेनकाब किया अंतरराज्यीय सिंडिकेट

शहडोल। रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले एक शातिर और दुस्साहसी गिरोह का अनूपपुर आरपीएफ ने पर्दाफाश किया है। शहडोल के व्हाइट कॉलर सरगना मोहसिन के इशारे पर चल रहे इस काले साम्राज्य ने बिलासपुर-अनूपपुर रेल खंड को अपनी जागीर बना लिया था। निगौरा स्टेशन पर खड़ी कोचिंग ट्रेनों को अपना एटीएम समझने वाले इस गिरोह ने रेलवे की कीमती बैटरियों पर हाथ साफ कर करोड़ों के नेटवर्क को अंजाम दिया। पुलिस ने मुख्य सरगना को रिमांड पर लेकर दिल्ली तक फैले इस मकडजाल को खंगालना शुरू कर दिया है।

आधी रात का ऑपरेशन क्लीन स्वीप

पिछले काफी समय से निगौरा और आस-पास के स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों के पाट्स गायब होने की खबरें मिल रही थीं। अनूपपुर आरपीएफ को जैसे ही पुख्ता सूचना मिली कि निगौरा स्टेशन के पास कोचिंग ट्रेन के स्लीपर और जनरल कोच के नीचे बैटरियों की सर्जरी की जा रही है, टीम ने बिना वक्त गंवाए रणनीति तैयार की। अंधेरे का फायदा उठाकर जब गैंग के गुर्गे इंडिगो कार में 18-20 भारी-भरकम बैटरियां लोड कर रहे थे, तभी आरपीएफ ने घेराबंदी कर दी। मौके से पकड़े गए आरोपी ने जब अपना मुंह खोला, तो सुरक्षा एजेंसियों के भी होश उड़ गए। इस चोरी का रिमोट कंट्रोल शहडोल में बैठे मोहसिन के हाथ में था।

शहडोल से जबलपुर होते हुए दिल्ली तक

जांच में खुलासा हुआ है कि यह महज छोटी-मोटी चोरी नहीं,

बल्कि एक सुव्यवस्थित अंतरराज्यीय क्राइम सिंडिकेट है। निगौरा/वेंकटनगर स्टेशन (चोरी), शहडोल (कलेक्शन सेंटर), जबलपुर मंडी (विक्रय), दिल्ली (अंतिम ठिकाना)। मोहसिन खुद मौके पर नहीं जाता था। उसने काम के लिए तीन श्रेणियों में लोग रखे थे, मजदूर वर्ग जो पटरियों पर जान जोखिम में डालकर भारी बैटरियां खोलते थे, ट्रांसपोर्टर जो कारों के जरिए माल ढोते थे और बिचौलिए जो जबलपुर की मंडियों में माल खपाते थे।

एक-एक कोच से निकाल दीं 27 बैटरियां

रेलवे की कोचिंग ट्रेनें, जो ट्रैक मरम्मत और तकनीकी कार्यों के लिए लाइफलाइन मानी जाती हैं, इस गिरोह के लिए सोने की खदान बन गई थीं। एक कोच के नीचे लगभग 27 बैटरियां होती हैं, जो बिजली आपूर्ति के लिए अनिवार्य हैं। एक बैटरी की कीमत 15 से 20 हजार रुपए है। इस गिरोह ने अब तक 100 से ज्यादा बैटरियां पार कर दी हैं। यानी सीधे तौर पर 20 लाख रुपए से अधिक की सरकारी संपत्ति को कबाड़ के भाव बेच दिया गया।

सरगना से उगलवाए जा रहे राज

आरपीएफ ने इस मामले में कठोर रुख अपनाते हुए मुख्य सरगना मोहसिन सहित 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें मोहसिन के 4 करीबी पार्टनर और 3 मजदूर शामिल हैं। अदालत ने मोहसिन को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। सूत्र बताते हैं कि रिमांड के दौरान मोहसिन के मोबाइल और उसके संपर्कों से कई रसूखदारों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल आरपीएफ की टीमें जबलपुर के उन कबाड़ गोदामों और ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं, जहां चोरी का माल डंप किया गया था।

सुरक्षा पर सवाल

यह कार्रवाई जितनी बड़ी सफलता है, उतनी ही बड़ी चेतावनी भी। सवाल उठता है कि निगौरा जैसे स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों से सैकड़ों बैटरियां गायब हो गईं और किसी को भनक तक नहीं लगी? क्या इस गिरोह को स्थानीय स्तर पर किसी का मौन संरक्षण प्राप्त था? वेंकटनगर स्टेशन पर भी इसी तरह की चोरी की आशंका जताई जा रही है, जो इस संदेह को पुख्ता करती है कि गिरोह के हौसले बुलंद थे।

संयुक्त कार्रवाई से थर्राया सिंडिकेट

इस ऑपरेशन की खास बात अनूपपुर आरपीएफ, स्थानीय पुलिस और रेलवे की स्पेशल टास्क फोर्स का तालमेल रही। इस संयुक्त प्रहार ने न केवल रेलवे की संपत्ति बचाई, बल्कि उन अपराधियों को भी कड़ा संदेश दिया है जो रेलवे को आसान शिकार समझते हैं। आरपीएफ अब जबलपुर की उन मंडियों की कुंडली खंगाल रही है जहां चोरी की गई बैटरियों को रीसायकल या रि-सेल किया जाता था। उम्मीद है कि जल्द ही दिल्ली के कुछ बड़े चेहरों तक भी पुलिस के हाथ पहुंचेंगे।

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

उमरिया। प्रदेश सरकार के आव्हान पर उमरिया जिले में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अब जोर पकड़ रहा है।ग्रामीणों को जल के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है।इसी कड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के निर्देशानुसार व सेक्टर 3 कि परामर्शदाता जयभारती साहू के मार्गदर्शन में कालरी स्कूल उमरिया में दीवाल लेखन का कार्य किया गया व पानी की बूंद बूंद बचाने के लिए जनजागरुकता का कार्य किया गया । इस अवसर पर कर लो अपने मन मे निश्चय, करना है जल को संचय, अगर आज जल न बचाओगे , तो आने वाला कल न देख पाओगे , पानी हम बचायेंगे, देश में खुशहाली लायेंगे आदि स्लोगनो के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी छात्र अश्वनी अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

मप्र बोर्ड में अब फेल का डर खत्म

सभी फेल छात्रों को मिलेगा दोबारा परीक्षा का मौका, पूरक परीक्षा खत्म

हरिभूमि न्यूज राजनगर। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब तक जहां सीमित विषयों में फेल छात्र ही पूरक परीक्षा दे पाते थे, वहीं अब सभी विषयों में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी भी 'द्वितीय परीक्षा' में शामिल हो सकेंगे। यानी अब कोई भी छात्र एक और मौका पाने से वंचित नहीं रहेगा। बोर्ड ने वर्षों से चली आ रही पूरक परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। पहले हाईस्कूल में अधिकतम दो और हायर सेकेंडरी में एक विषय में फेल छात्र ही पूरक दे सकते थे, लेकिन अब यह सीमा हटा दी गई है। मंडल के अनुसार हायर सेकेंडरी की द्वितीय परीक्षा 7 मई से 25 मई तक और हाईस्कूल की परीक्षा 7 मई से 19 मई तक आयोजित की जाएगी। मुख्य परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों को केवल 7 दिन के भीतर आवेदन करना होगा, जो एमपी ऑनलाइन के माध्यम से भरे जाएंगे। नई व्यवस्था में छात्रों को एक और बड़ा फायदा मिलेगा। मुख्य और द्वितीय परीक्षा में से जिस परीक्षा में बेहतर अंक आएंगे, वही अंकसूची में जोड़े जाएंगे।

पास विषय में भी फिर से परीक्षा का विकल्प

छात्र चाहें तो जिन विषयों में पास हो चुके हैं, उनमें भी बेहतर अंक लाने के लिए दोबारा परीक्षा दे सकते हैं। हालांकि जिन विषयों में फेल हैं, उनमें शामिल होना अनिवार्य होगा। इधर बोर्ड मुख्य परीक्षा के परिणाम को लेकर भी तेजी से काम कर रहा है। तीसरे चरण का मूल्यांकन अंतिम दौर में है और अधिकांश अंकों की एंट्री ऑनलाइन सिस्टम में पहले ही हो चुकी है। बोर्ड का लक्ष्य अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक रिजल्ट घोषित करने का है।

पूरी प्रक्रिया पर डिजिटल निगरानी

मूल्यांकन कार्य की निगरानी के लिए सभी केंद्रों को सीसीटीवी और ऑनलाइन पोर्टल से जोडा गया है। बोर्ड मुख्यालय से हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध बनी रहे। बोर्ड अधिकारी एक ओर जहां रिजल्ट तैयार करने में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर द्वितीय परीक्षा की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं।

जेवरात से भरा बैग ऑटो में छूटा, पुलिस ने खोजकर वापस लौटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

आटो में सफर के दौरान एक महिला का बैग छूट गया। महिला ने पुलिस में फरियाद की। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सीसीटीवी और तकनीकी मदद से महज 72 घंटों के भीतर खोज निकाला। पुलिस के अनुसार 6 अप्रैल को ग्राम कटंगी झलवारा निवासी अर्चना कोरी अपने पति के साथ चांडक चौक से मुरवाड़ा स्टेशन जाने के लिए ऑटो में सवार हुई थीं। जल्दबाजी में उतरते समय उनका बैग ऑटो में ही छूट गया। इस बैग में कीमती सोने-चांदी के जेवर और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। सामान खोने की सूचना मिलते ही प्रार्थियां ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित की। शहर के मुख्य चौराहों और संबंधित मार्ग पर लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उस ऑटो की पहचान की गई जिसमें महिला ने सफर किया था। पुलिस ने ऑटो चालक का पता लगाकर उससे संपर्क किया, जिसके बाद बैग को सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बरामद बैग और उसमें रखे जेवर सुरक्षित रूप से अर्चना कोरी को सुपुर्द किए। अपना खोया हुआ कीमती सामान वापस पाकर महिला के चेहरे पर खुशी लौट आई।

अपना बैग वापस मिलने के बाद अर्चना कोरी ने कहा कि मेरा सामान वापस मिलना नामुमकिन लग रहा था, लेकिन कटनी पुलिस ने जिस सक्रियता से काम किया, वह काबिले तारीफ है। मैं पुलिस प्रशासन का तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूँ।

59 पंचायतों ने 40 लाख से अधिक का कर वसूला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले की समस्त ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, समृद्ध,आर्थिक रूप से सक्षम और सशक्त बनाने जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर ग्राम पंचायतों द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 में निहित प्रावधानों के अनुसार जल कर, स्वच्छता कर,सम्पत्ति कर,भवन अनुज्ञा एवं अन्य करों की वसूली तेजी से की जा रही है। इससे न केवल ग्राम पंचायतें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी बल्कि आय में वृद्धि से जन सुविधाओं में इजाफा होगा।

जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप सिंह बताते हैं कि विगत वर्ष 2025-26 में जनपद क्षेत्र की 59 ग्राम पंचायतों द्वारा सभी प्रकार के कर मिलाकर 40,11,628 रुपयों की वसूली की गई है। वही 73,36 308 रूपयों की वसूली होना शेष है। जनपद पंचायत के सीईओ श्री सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायतों द्वारा 23,94,398 रुपए जलकर , 53,520 स्वच्छता कर, 3,09,510 रुपए संपत्ति कर, 592,410 रुपए भवन अनुज्ञा एवं अन्य करों से 6,56,950 रुपयों की कर वसूली की जा चुकी है एवं बकाया वसूली योग्य राशि को वसूल करने हेतु ग्राम पंचायतों को तत्परता पूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील की है कि ग्रामीण जन अपने ग्राम के चौमुखी विकास के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित होकर नियमित रूप से आरोपित करों का भुगतान कर आधिकारिक रसीद प्राप्त करें।

कदम कदम पर जाम की समस्या से होना पड़ता है रूबरू

प्रमुख मार्गों में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए बन गई समस्या

कोतमा। नगर के प्रमुख मार्गों में अतिक्रमण हर व्यक्ति के लिए समस्या बन गई है। यह स्थिति अधिकारियों के संज्ञान में भी है, लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन ने अभी तक कोई रणनीति नहीं बनाई है। अतिक्रमणकारी राहगीरों के चलने वाली सड़क को भी कब्जा कर लिए है। नगर के मुख्य मार्गो में अतिक्रमणकारियों का बोलबाला है। सड़क किनारे जगह-जगह बड़े दुकान एवं फुटपाथी दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है जिससे सड़क सकरी हो गई है। इससे आए दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकान की सीमा से बाहर भी सामान रखे रहते हैं, जिसका खामियाजा आमजनों को भुगतना पड़ता है। इससे सड़कों पर पैदल चलने वाले फुटपाथ पर पैर रखने की जगह नहीं बची होती है। गांधी चौक से स्टेशन चौक और पुराना अस्पताल रोड से पंचायती मंदिर रोड के मार्गो में दुकानदारों के द्वारा मनमाने तरीके से दुकान की सामग्री बाहर लगा कर सड़क को छोटा करते जा रहे हैं जिस पर स्थानीय प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है न ही नगर पालिका के जिम्मेदार अतिक्रमण हटाने की जहमत उठा पा रहे हैं। कुल मिला कर आमजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर में सड़कों पर अतिक्रमण से समस्या बढ़ गई है आमजनो को सड़को पर पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। दुकानों का सामान निकालकर सड़क पर रखा जा रहा है।

सड़क तक फ्लैक्स बोर्ड

जिस जगह पर ग्राहको के वाहन खड़े होने चाहिए। वहां दुकान दारो ने बड़े बड़े बोर्ड लगा रखे है। इस वजह से सड़क पर यातायात प्रभावित होता है। व्यापारियो के द्वारा मनमानी की जा रही है। अव्यवस्था को सुधारने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे है। नगरीय निकाय का अमला अतिक्रमण हटाने को लेकर सजग दिखाई नहीं दे रहा है। यही वजह है कि समस्या का

हल अब तक स्थाई रूप से नहीं निकल पाया है। बताया गया है कि नगर पालिका के द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सालों से नहीं की गई। पहले न्यायालय या फिर प्रशासन के आदेश से ये कार्यवाही होती रही है लेकिन लंबे समय से अतिक्रमण या कब्जा नहीं हटाया गया है। पूरा बाजार क्षेत्र और मुख्य सड़क अतिक्रमण के कारण अव्यवस्थित है। सब्जी मंडी रोड, पोस्ट आफिस रोड, जकीरा चौक, हनुमान मंदिर से लेकर पुराना पेट्रोल पंप से मुखर्जी चौक, पंचायती मंदिर, पुराना फाटक रोड, टाकीज रोड, पुराना स्टेट बैंक रोड, महावीर मार्ग हर जगह सड़क पर दुकाने लग रही है। इस वजह से लोगो को आवाजाही में कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बाजार में दुकानो की संख्या बढ़ी है लेकिन व्यवस्था के नाम पर कोई प्लान नगरीय निकाय के पास नहीं है। यहां त्योहारों के सीजन के अलावा आम दिनों में भी ग्राहकों की भीड़ रहती है। अतिक्रमण की समस्या भी यहां सबसे ज्यादा है। बड़ी बड़ी दुकानों का सामान सड़क पर रखा होता है। कपड़े के दुकानदार सड़क पर सेल लगाते हैं, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम संचालक सड़क पर ही कूलर, पंखे रखते हैं, इतना ही नहीं बर्तन बेचने वाले बड़े दुकानदार भी सड़क पर दस फिट आगे तक बर्तन जमाते हैं। दुकानदारों का सामान फुटपाथ घेर रहा है। सभी जगह समस्या एक ही है अतिक्रमण के कारण दूसरी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जिसके कारण जाम के हालात बनते हैं। लोगों को चलने के लिए शहर में फुटपाथ की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन फुटपाथों पर दुकानदारों का अघोषित कब्जा हो गया है। अतिव्यस्त रहने वाले स्थानीय बाजार में सड़क पर रोज बाजार सजता है। सुबह से ही सड़कों में अतिक्रमणकारी दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें सजाने में व्यस्त हो जाते हैं। इन अतिक्रमणकारियों को न तो प्रशासन की कार्यवाही की चिंता है न ही पुलिस की सख्ती की। नगर पालिका परिषद के वाहन में लगे माइक पर समय-समय पर अतिक्रमणकारियों को सड़क से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी देने की खानापूर्ति की जाती है, लेकिन कार्यवाही के अभाव में सड़कें व फुटपाथ अतिक्रमण का शिकार हैं। मुख्य बाजार की आधी सड़क पर पूरे दिन ठेला वालों का कब्जा बना रहता है। इसके चलते आम राहगीरों को कदम कदम पर जाम की समस्या से रूबरू होना पड़ता है। अगर प्रशासनिक सख्ती नहीं हुई, तो स्थिति और भयावह हो जाएगी और लोगों का चलना मुश्किल हो जाएगा।

अघोषित पार्किंग

सड़क पर व्यापारियों के द्वारा चार पहिया वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर दिया जाता है जिसके कारण अब यह लगने लगा है कि सड़क वाहन पार्किंग का अघोषित पार्किंग बन कर रह गया है। ना तो यातायात विभाग के द्वारा और ना ही नगर पालिका के द्वारा सड़क पर खड़े वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है जिसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। गुरुवार की रात नगर के स्टेशन चौक से पुराना अस्पताल जाने वाले रास्ते मे दुकानदार के द्वारा सड़क पर दुकान सजाई गई थी जिसके कारण एक वाहन सामान छू गया जिसके कारण दुकानदार के द्वारा वाहन चालक के साथ तू तू मैं करने के साथ ही विवाद पर उतारू हो गया। लोगों के बीच बचाव के बाद मामला शांत हुआ। यह प्रतिदिन की समस्या हो गई है।

खबर संक्षेप

जुआ खेलते 4 पकड़ाये

कटनी। कुठला पुलिस ने जुआ खेलते चार जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों के पास से ताश के पत्ते एवं नगदी रूपये भी बरामद किये गये हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चाका स्थित टपरा के पास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों के जरिए रुपयों की हार-जीत का दांव लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने बताए गए स्थान की घेराबंदी की। पुलिस की अचानक हुई इस दबिश से जुआरियों में हड़कंप मच गया। जुआरियों ने मौके से भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से रोहित साहू 29 वर्ष, निवासी पुरैनी, सूरज वंशकार 29 वर्ष निवासी लमतरा फाटक, संजीत कुशवाहा 33 वर्ष निवासी कन्हवारा, अजय चौधरी 33 वर्ष निवासी चाका को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 52 ताश के पत्ते और जुमला रकम 470 रुपये नगद जब्त किए हैं। पकड़े गए चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

छोटे हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ आज से

सिलौंडी। सिलौंडी श्री छोटे हनुमान जी महाराज के चांदनी चौक मंदिर सिंलोड़ी में आज 10 अप्रैल शुक्रवार को 24 घंटे की अखंड रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसकी प्रभात फेरी सुबह 7.30बजे बजे से निकलेगी। प्रभातफेरी पूरे गांव का भ्रमण करेगी। अखंड रामायण पाठ के समापन पर 11 अप्रैल को कन्या भोज भंडारे का आयोजन होगा। महिला मंडल ने अधिक संख्या में भक्त की अपील किया है ।

सड़क हादसों में दो की मौत, तीन हुये घायल

कटनी। माधवनगर और बरही थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो व्यक्तियों की मौत हो गई, जबकि रीठी और विजयराघवगढ़ में हुए हादसों में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार माधवनगर थाना अंतर्गत पीरबाबा ओवरब्रिज (देवरी कला) के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान स्लीमनाबाद थाना के ग्राम नेगवां निवासी रोहित सिंह 27 वर्ष के रूप में हुई। पुलिस ने वाहन क्रमांक MP 21 ZJ 6396 के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इसी तरह बरही थाना क्षेत्र में एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने तेज गति से वाहन चलाते हुए पूनम दहायत 27 वर्ष को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूनम ने दम तोड़ दिया। दमोह-कटनी रोड पर ग्राम मुहास के पास एक अनियंत्रित ट्राला RJ 09 GD 7797 ने राहगीरों को टक्कर मार दी, जिसमें शिवचरण लोधी और प्यारेलाल लोधी गंभीर रूप से घायल हो गए। विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम देवराकला मेन रोड पर तेज रफ्तार कार क्रमांक MP 21 CA 3452 ने प्रेमलाल चौधरी को घायल कर दिया।

देहदान पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ दी गई अंतिम विदाई

कटनी। शिवनगर वार्ड नंबर 4 की निवासी कलाबाई कुशवाहा के परिजनों ने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। 70 वर्षीया कलाबाई का गुरुवार सुबह वृद्धावस्था जनित बीमारियों के कारण निधन हो गया, जिसके बाद उनके परिवार ने उनके पार्थिव शरीर को मेडिकल कॉलेज जबलपुर को दान करने का निर्णय लिया। शोक की इस घड़ी में पति कोदूलाल कुशवाहा और परिजनों ने अपने आध्यात्मिक गुरु संत रामपाल की प्रेरणा से देहदान का संकल्प लिया। परिजनों का कहना है कि इस दान से चिकित्सा क्षेत्र के छात्रों को शोध में मदद मिलेगी, जो अंततः मानवता के ही काम आएगा। सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा ने बताया कि चिकित्सकीय प्रमाणीकरण और आवश्यक औपचारिकताओं के पूर्ण होने के बाद, प्रशासन द्वारा पार्थिव देह को सम्मानपूर्वक विदा किया गया। पुलिस विभाग की ओर से स्वर्गीय कलाबाई को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

पेयजल और अव्यवस्था से सब्जी विक्रेता परेशान देखे जाते हैं

धनपुरी का साप्ताहिक बाजार बदहाली की मिसाल, गंदगी-ट्रैफिक

धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी के वार्ड क्रमांक 21 स्थित मढिया मंदिर प्रांगण में लगने वाला साप्ताहिक बाजार अब सुविधाओं की बजाय समस्याओं का केंद्र बनता जा रहा है। हर रविवार और गुरुवार को कच्छी मोहल्ला से संग्राम सिंह दफाई जाने वाली मुख्य सड़क के दोनों ओर लगने वाला यह बाजार अव्यवस्था, गंदगी और ट्रैफिक जाम से जूझ रहा है।

सबसे गंभीर मुद्दा सफाई व्यवस्था की पूरी तरह विफलता है। नगर पालिका द्वारा सब्जी विक्रेताओं से नियमित रूप से बैठकी (शुल्क) वसूली जाती है, लेकिन इसके बदले उन्हें स्वच्छ वातावरण तक नसीब नहीं हो रहा। बाजार क्षेत्र की नालियां पूरी तरह जाम हैं और ऊपर तक गंदगी से भरी हुई हैं। हालात यह हैं कि सब्जी विक्रेता इन्हीं बजबजाती नालियों के ऊपर बैठकर सब्जी बेचने को मजबूर हैं।

नालियों से उठने वाली दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप इतना ज्यादा है कि कई विक्रेता अपने साथ मच्छर अगरबत्ती लाकर किसी तरह 2–4 घंटे का

समय काटते हैं। यह स्थिति न केवल व्यापारियों के लिए, बल्कि ग्राहकों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनी हुई है। और हैरानी की बात यह है कि जब कभी नालियों की सफाई होती भी है, तो निकाला गया मलबा (कीचड़) नाली के किनारे ही छोड़ दिया जाता है। बाजार का दिन होने के बावजूद मलबा नहीं हटाया जाता, जिसके बगल में ही सब्जी की दुकानें लगती हैं। यह लापरवाही नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। मढिया मंदिर के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहन खड़े हो जाते हैं, जिससे मुख्य सड़क संकरी हो जाती है और हर बाजार दिन जाम की स्थिति बन जाती है। राहगीरों, मरीजों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गर्मी बढ़ने के साथ एक और बड़ी समस्या सामने आ रही है—पेयजल की अनुपलब्धता। बाजार में न तो ठंडे पानी की व्यवस्था है और न ही कोई अस्थायी सुविधा, जिससे व्यापारी और ग्राहक दोनों ही परेशान नजर आते हैं। स्थानीय सब्जी विक्रेताओं और नागरिकों ने नगर पालिका से कड़े शब्दों में मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई कर मलबा तुरंत हटाया जाए। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था और पुलिस तैनाती की जाए,बाजार में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो यह बाजार न केवल अव्यवस्था का प्रतीक बना रहेगा, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

बचपन के पहले 6 साल जीवन की सबसे अहम नींव

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

महिला एवं बाल विकास एकीकृत परियोजना बहोरीबंद में विभागीय आदेशानुसार 8 वां पोषण पखवाडा अभियान का आगाज हुआ जो 23 अप्रैल तक चलेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर ऊषा सोलंकी ग्राम पंचायत आंगनबाड़ी केंद्र में शामिल हुई जहाँ ज्वाइंट डायरेक्टर के द्वारा पोषण पखवाडा अभियान की शुरुआत की जिसमे लाभार्थियों को माँ एवं बच्चे को स्वास्थ्य तथा पोषण संबधी जानकारी प्रदान की गयी। ज्वाइंट डायरेक्टर ऊषा सोलंकी ने कार्यक्रम में पोषण पखवाडे को कैसे सफल बनाये, जीवन के पहले 6 वर्षों में मस्तिक का अधिकतम विकास ,आंगनवाडी केन्द्रों में आरंभिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त विद्यारम्भ प्रमाण पत्र की शुरुआ तथा बच्चों में स्क्रीन टाइम करने में माता पिता और समुदाय की भूमिका जैसे विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

आंगनवाडी केन्द्र में पोषक व्यंजनों की प्रदर्शनी के माध्यम से माताओं और बच्चों को पोषक एवं संतुलित आहार की जानकारी दी गईं। अपने 3-6 वर्ष के बच्चों को नजदीकी आंगनवाडी केन्द्रों में दाखिला दिलाये ताकि प्रशिक्षित आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा बच्चों का सर्वांगीकर्ण विकास हो सके। पर्यवेक्षक पुष्पा आरख ने कहा स्वास्थ्य शरीर के लिए पोषण आहार जरूरी है। इसलिए सभी महिलाओं को पोषण आहार का सेवन करना चाहिए। हरि सब्जियों में पौष्टिक होता है। महिलाओं व बच्चों को पोषक आहार लेने की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि इस पखवाड़े का उद्देश्य है कि हर नागरिक को पोषण के बारे में सही जानकारी हो ताकि वह पोषक आहार लेकर स्वस्थ रह सके। उन्होंने कहा कि जब नागरिक स्वस्थ रहेगा तभी देश तरक्की करेगा।

सुपरवाइजर के द्वारा आंगनवाडी केंद्र में 0-6 साल के बच्चों का वजन / लम्बाई मापी गई। पर्यवेक्षक ने पूरे पोषण पखवाड़ा के दौरान प्रतिदिन सभी आंगनवाडी केन्द्रों में तरह-तरह की गतिविधियों का आयोजन करवाया जाएगा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका ओर महिलाओं की उपस्थिति रही। पोषण पखवाडा अभियान के साथ ज्वाइंट डायरेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पड़वार तालाब पहुंचकर जल संरक्षण व संवर्धन की शपथ दिलाई।

भागवत कथा में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

उबरा में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बनारस से पधारे कथा वाचक तिलेश्वर नाथ शास्त्री भागवत कथा में रसपान करा रहे है। महाराज ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जब पूरा क्षेत्र कंस के अत्याचार से त्राहि त्राहि कर रहा था राक्षसों के अत्याचार और अन्याय से कराह रहा था तब उसके अत्याचार से मुक्ति दिलाने एवं धर्म स्थापना के लिए भगवान स्वयं मथुरा के राजा कंस के कारागार में जन्म लेते है और वासुदेव जी भगवान श्री कृष्ण को गोकुल के नंद बाबा के घर ले जाते है। नंद बाबा के घर जन्मोत्व मनाया जाता है नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकार के साथ पूरा आकाश गुंजायमान हो रहा था। श्रोता गण झूमते,नाचते,गाते फूलों की बारिश कर रहे थे उत्सव में प्रसाद का वितरण किया जा रहा था चारों ओर खुशी की लहर थी भक्तगण भाव विभोर होकर झूमने नाचने लगते हैं चारों ओर खुशी की लहर दौड़ रही थी। एक सप्ताह तक होने वाली श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने आयोजक मंडल के इंद्रभान ,पुष्पा मिश्रा,अर्जुनदास मिश्रा,अनिल मिश्रा ने ग्रामीणों और क्षेत्र वासियों से अपील की है ।

णमोकार मंत्र की गूंज से गुंजायमान हुआ विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

विश्व णमोकार मंत्र दिवस के अवसर पर स्लीमनाबाद तहसील क्षेत्र में जैन मंदिरों में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। ज्ञान मंगलम पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल तेवरी में भी सर्वप्रथम नमोकार मंत्र की तस्वीर का पूजन अर्चन विद्यालय के प्रबंधक सौरभ जैन एवं प्राचार्य सोहनी जैन द्वारा किया गया। इसके पश्चात सामूहिक लगातार नमोकार मंत्र का उच्चारण विद्यालय में अध्यनरत नन्हे मुन्ने छात्र- छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा किया गया।

मंत्र उपचार की ध्वनि से पूरे विद्यालय एवं आसपास का वातावरण गूंज उठा। समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को आत्म शांति का अनुभव हुआ। विद्यालय के प्रबंधक सौरभ जैन के द्वारा नमोकार मंत्र का अर्थ समस्त छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को नमोकार मंत्र की विशेषताएं भी बताई गई। प्रबंधक सौरभ जैन ने बतलाया कि विश्व णमोकार दिवस हर साल 9 अप्रेल को मनाया जाता है, जो जैन धर्म के सबसे पवित्र मंत्र - णमोकार महामंत्र - को समर्पित है। यह दिन विश्व शांति, सद्भाव, आत्मशुद्धि और अहिंसा के संदेश को फैलाने के लिए समर्पित है, जिसमें दुनिया भर में करोड़ों लोग एक साथ सामूहिक मंत्र जाप करते हैं। णमोकार मंत्र विश्व में अशांति, हिंसा और युद्ध जैसी स्थितियों को कम करना और मानसिक शांति व करुणा को बढ़ावा देना।इस दिन सामूहिक जाप के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया जाता है।108 से अधिक देशों में जैन समुदाय एक साथ एक स्वर में णमोकार मंत्र का जाप करते हैं, अक्सर सुबह के समय। यह मंत्र अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु को नमन करता है। विभिन्न आयोजनों में छात्र-छात्राओं से लेकर आमजन तक, सभी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

परिवहन विभाग ने कटनी उमरिया मार्ग में चलाया अभियान

ओवरलोड एवं दस्तावेजों की कमियों पर सात ट्रक एवं दो यात्री बसें की गई जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में अवैध एवं नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ प्रशासन का सख्त रुख लगातार जारी है। कलेक्टर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में परिवहन विभाग द्वारा तीसरे दिन भी सघन जांच अभियान चलाया गया, जिससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल के नेतृत्व में यह अभियान कटनी-उमरिया मार्ग और कैमोर रोड पर अचानक दबिश देकर संचालित किया गया। अभियान के दौरान करीब 45 वाहनों की गहन जांच की गई, जिसमें दस्तावेजों की वैधता, फिटनेस, परमिट, ओवरलोडिंग और यात्री सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच में 9 वाहनों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए जब्ती की कार्यवाही की गई। 5 ट्रकों में दस्तावेजों की कमी मिलने पर उन्हें थाना कैमोर में सुरक्षित रखा गया। 2 ट्रक ओवरलोड पाए गए, जिन पर कार्रवाई करते हुए जब्त किया गया। 2 यात्री बसें बिना वैध परमिट के संचालित होती पाई गईं, जिन्हें जब्त कर थाना कुठला में खड़ा कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना परमिट वाहन संचालन और ओवरलोडिंग न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पॉल ने कहा कि जिले में अवैध परिवहन गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी वाहन संचालकों को आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने और नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगे भी इस तरह के सघन अभियान जारी रहेंगे।

सोहागपुर क्षेत्र में औद्योगिक संबंध व्यवस्था चरमराई बैठक बनी औपचारिकता, श्रमिक संगठनों का उग्र विरोध

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में औद्योगिक संबंध (आईआर) व्यवस्था की हकीकत एक बार फिर उजागर हो गई, जब 8 अप्रैल को महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित आईआर बैठक अव्यवस्था, गैर-जिम्मेदारी और उदासीनता का प्रतीक बनकर रह गई। लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक से जिस गंभीर संवाद और ठोस निर्णय की उम्मीद की जा रही थी, वह पूरी तरह ध्वस्त होती नजर आई।

बैठक की शुरुआत से ही लापरवाही साफ दिखाई दी। सब-एरिया स्तर के मानव संसाधन प्रबंधकों का बैठक से नदारद रहना और क्षेत्रीय मुख्यालय के विभागाध्यक्षों द्वारा अपने स्थान पर कनिष्ठ अधिकारियों को भेजना इस बात का स्पष्ट संकेत था कि प्रबंधन इस मंच को कितनी गंभीरता से ले रहा है। जिस बैठक का उद्देश्य श्रमिक समस्याओं का समाधान और औद्योगिक समन्वय स्थापित करना होता है, वह महज कागजी औपचारिकता बनकर रह गई।

वर्षों से गिरता स्तर, शून्य क्रियान्वयन

जानकारों की मानें तो पिछले 3-4 वर्षों से सोहागपुर क्षेत्र में आईआर बैठकें केवल खानापूर्ति तक सीमित हैं। बैठक में उठने वाले मुद्दे फाइलों में दबकर रह जाते हैं और निर्णयों का क्रियान्वयन लगभग शून्य रहता है। इससे श्रमिकों में असंतोष गहराता जा रहा है और आईआर व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है।

महाप्रबंधक की अनुपस्थिति बनी बड़ा मुद्दा

बैठक में महाप्रबंधक श्री बी.के. जैना की अनुपस्थिति ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। श्रमिक संगठनों द्वारा उन्हें बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया गया था, लेकिन उन्होंने रामपुर क्षेत्र में किसानों के साथ बैठक का हवाला देते हुए आने में असमर्थता जताई।

जबकि अन्य क्षेत्रों में इस स्तर की बैठकों में महाप्रबंधक या महाप्रबंधक (संचालन) की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। सोहागपुर क्षेत्र में इस परंपरा का अभाव प्रबंधन की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करता है।

एचआर विभाग पर निर्भरता, व्यवस्था बेपटरी

पूरी आईआर व्यवस्था को क्षेत्रीय मानव संसाधन विभाग के भरोसे छोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप बैठक में लिए गए निर्णयों का कोई प्रभावी फॉलोअप नहीं हो पाता। इससे श्रमिकों की समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं और समाधान की प्रक्रिया ठप पड़ गई है।

नारेबाजी के बीच बैठक का बहिष्कार

इन सभी अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की निष्क्रियता से आक्रोशित कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) ने बैठक के दौरान जोरदार नारेबाजी करते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया। श्रमिक नेताओं ने साफ कहा कि जब तक आईआर व्यवस्था को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, तब तक इस तरह की बैठकों का कोई औचित्य नहीं है।

स्थानांतरण के बाद भी जमे एचआर प्रबंधक

मामले का सबसे विवादास्पद पहलू क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रबंधक बलराम हेमब्रम का है। उनका स्थानांतरण बैकुंठपुर क्षेत्र के लिए हो चुका है और कंपनी मुख्यालय द्वारा 31 मार्च को उन्हें स्टैंड रिलीज भी कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद अब तक उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, वे पिछले चार वर्षों से एक ही संवेदनशील पद पर बने हुए हैं, जो नियमों के विपरीत माना जाता है।

प्रबंधन के दोहरे रवैये पर सवाल

श्रमिक संगठनों का आरोप है कि जब वे अपनी समस्याओं को लेकर महाप्रबंधक के पास जाते हैं, तो उन्हें "पर्सनल डिपार्टमेंट से परेशानी" का हवाला दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर संबंधित अधिकारी को कार्यमुक्त न करना प्रबंधन के दोहरे मापदंड को दर्शाता है।

यह स्थिति न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि श्रमिकों के विश्वास को भी कमजोर करती है।

बिगड़ते औद्योगिक संबंध, बढ़ता असंतोष

वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि यदि शीघ्र ही आईआर व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो श्रमिक-प्रबंधन संबंधों में और अधिक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

श्रमिक संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

रेलवे की मनमानी का 'स्पीड ब्रेकर मॉडल'

कहीं 14 ब्रेकर से जनता परेशान, तो कहीं 1 भी नहीं ,अनूपपुर में दोहरे मापदंड पर बवाल

अनूपपुर रेलवे क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर निर्माण को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। थाना तिराहा से पूर्व-पश्चिम केबिन तक महज 1 किलोमीटर सड़क पर 14 स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं, जबकि दक्षिणी हिस्से की 1.5 किलोमीटर सड़क पर एक भी ब्रेकर नहीं है। यह मामला अब दोहरे मापदंड, नियमों की अनदेखी और संभावित भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ गरमा गया है, जिस पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने खुला पत्र लिखकर जांच की मांग उठाई है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रेलवे जैसे अनुशासित और मानक आधारित विभाग से जहां गुणवत्ता और सुरक्षा की अपेक्षा की जाती है, वहीं अनूपपुर में सामने आया यह मामला कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। थाना तिराहा से स्टेशन होते हुए पूर्व-पश्चिम केबिन तक बनाई गई सीमेंटेड सड़क पर एक के बाद एक 14 स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन ब्रेकरों की संख्या जरूरत से कहीं अधिक है और इनकी ऊंचाई एवं डिजाइन भी भारतीय सड़क के मानकों के अनुरूप नहीं है। इससे आए दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। वहीं दूसरी ओर रेलवे लाइन के दक्षिणी हिस्से में आरई कॉलोनी से आरपीएफ बैरक होते हुए पुराने रेलवे फाटक तक करीब 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया गया है। यह स्थिति साफ तौर पर विभागीय लापरवाही और दोहरे मापदंड को उजागर करती है। पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष जीवेन्द्र सिंह ने इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए डीआरएम बिलासपुर को खुला पत्र भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

1 किलोमीटर में 14 ब्रेकर, जनता की राह बनी 'झटका जोन'

थाना तिराहा से पूर्व-पश्चिम केबिन तक की सड़क पर बनाए गए 14 स्पीड ब्रेकर अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन चुके हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इतनी कम दूरी में इतने अधिक ब्रेकर बनाना न केवल अव्यवहारिक है बल्कि यह सीधे तौर पर यातायात व्यवस्था को बाधित करता है। चारपहिया और दोपहिया वाहन चालकों को हर कुछ मीटर पर ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त होने का खतरा भी बना रहता है। कई स्थानों पर ब्रेकर इतने ऊंचे और अनियमित हैं कि चालक संतुलन खो बैठते हैं। लोगों का आरोप है कि यह निर्माण बिना किसी वैज्ञानिक सर्वे और मानक के किया गया है, जो सीधे तौर पर आम जनता के लिए खतरा बन गया है।

दक्षिणी हिस्से में 'शून्य ब्रेकर', आखिर क्यों अलग नियम?

जहां एक ओर उत्तर दिशा की सड़क पर 14 स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं, वहीं दक्षिणी हिस्से में 1.5 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक भी ब्रेकर नहीं है। यह विरोधाभास अब लोगों के बीच चर्चा और आक्रोश का विषय बन गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि सुरक्षा के लिहाज से ब्रेकर जरूरी हैं, तो दक्षिणी हिस्से में भी समान रूप से निर्माण होना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जिससे रेलवे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दोहरे मापदंड को दर्शाती है, जहां एक क्षेत्र में अति और दूसरे में पूरी तरह अनदेखी की गई है। लोगों ने इसे योजनाबद्ध लापरवाही करार दिया है।

हर जगह अलग डिजाइन, मानकों की खुली धज्जियां

रेलवे क्षेत्र में बनाए गए स्पीड ब्रेकरों की सबसे बड़ी खामी उनकी डिजाइन और मापदंड में असमानता है। कहीं ब्रेकर बहुत ऊंचे हैं, तो कहीं बेहद चौड़े या टेढ़े-मेढ़े बनाए गए हैं। शिवम रेलवे कॉलोनी, आईओडब्ल्यू ऑफिस और पश्चिमी केबिन मार्ग पर बने ब्रेकरों की बनावट पूरी तरह अलग-अलग है, जो किसी भी निर्धारित मानक का पालन नहीं करते। विशेषज्ञों के अनुसार, स्पीड ब्रेकर का निर्माण भारतीय सड़क के दिशा-निर्देशों के अनुसार होना चाहिए, ताकि वाहनों की गति नियंत्रित हो सके और दुर्घटनाएं रोकी जा सकें। लेकिन अनूपपुर में यह नियम सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रहा है, जिससे लोगों की सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है।

खुला पत्र बना 'आरोप पत्र', जांच और कार्यवाही की मांग तेज

इस पूरे मामले को लेकर पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष जीवेन्द्र सिंह ने डीआरएम बिलासपुर को खुला पत्र लिखकर सख्त कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि रेलवे के वरिष्ठ खंड अभियंता द्वारा नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से निर्माण कराया गया है। पत्र में डीआरएम से स्वयं स्थल निरीक्षण करने और मानकों के विपरीत बने स्पीड ब्रेकरों को तत्काल हटाने की मांग की गई है। साथ ही संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कर जिम्मेदारी तय करने की बात भी कही गई है। इस मुद्दे ने अब राजनीतिक और सामाजिक रंग भी पकड़ लिया है, जिससे आने वाले दिनों में इस पर बड़ी कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

कोतमा अग्रवाल लॉज हादसा: जांच तेज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। बस स्टैंड कोतमा स्थित चार मंजिला अग्रवाल लॉज हादसे के बाद अब प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच की प्रक्रिया तेज कर दी है। 3 मौतों और 3 गंभीर घायलों के इस दर्दनाक मामले में 17 अप्रैल को लिखित साक्ष्य प्रस्तुत करने की तारीख तय की गई है। लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है कि क्या इस जांच में असली दोषी सामने आएंगे या फिर यह भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? 4 अप्रैल को शाम 5:36 बजे कोतमा बस स्टैंड के पास चार मंजिला अग्रवाल लॉज का अचानक ढह जाना पूरे जिले को हिला गया। इस हादसे में तीन मजदूरों की जान चली गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। शुरुआती जांच में सामने आया कि लॉज के बगल में बिना अनुमति के गहरा गड्ढा खोदकर निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिसने इस त्रासदी को जन्म दिया था। अब प्रशासन ने इस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। जांच टीम यह पता लगाएगी कि भवन निर्माण की अनुमति, नक्शा और नियमों का पालन हुआ था या नहीं, साथ ही बिना अनुमति खुदाई और निर्माण के पीछे कौन जिम्मेदार है। 17 अप्रैल को एसडीएम न्यायालय कोतमा में साक्ष्य प्रस्तुत करने की प्रक्रिया रखी गई है, जहां कोई भी व्यक्ति दस्तावेज और बयान दे सकता है। हालांकि, जनता के बीच यह चर्चा तेज है कि क्या यह जांच सच में न्याय दिलाएगी या फिर जिम्मेदारों को बचाने का एक और औपचारिक कदम साबित होगी।

17 अप्रैल को खुलेगा 'सच का दरवाजा' या फिर एक और औपचारिकता?

प्रशासन ने 17 अप्रैल को साक्ष्य प्रस्तुत करने की तारीख तय कर दी है, लेकिन लोगों के मन में भरोसे से ज्यादा संदेह है। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक एसडीएम न्यायालय में दस्तावेज और बयान लिए जाएंगे, लेकिन सवाल यह है कि क्या आम नागरिक खुलकर सामने आ पाएंगे? क्या दबाव और सिस्टम का डर सच को बाहर आने देगा? इससे पहले भी कई मामलों में जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। अब देखना होगा कि यह तारीख सच में न्याय का रास्ता खोलेगी या फिर केवल औपचारिकता निभाकर फाइलों में दफन हो जाएगी।

अवैध खुदाई से मौत, किसने दी इजाजत?

जांच का सबसे बड़ा बिंदु यही है कि अग्रवाल लॉज के बगल में 12 फीट गहरा गड्ढा आखिर कैसे खोदा गया? क्या इसके लिए कोई अनुमति ली गई थी या यह सब खुलेआम नियमों को ताक पर रखकर किया गया? भूस्वामी रामनरेश गर्ग और राकेश कुमार के नाम सामने आए हैं, लेकिन क्या सिर्फ यही जिम्मेदार हैं? जब इतना बड़ा निर्माण कार्य चल रहा था, तो क्या किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी? या फिर सब कुछ जानते हुए भी अनदेखा किया गया है?

नियमों की धज्जियां या सिस्टम की मिलीभगत?

म.प्र. भूमि विकास नियम 2012 के तहत हर निर्माण कार्य के लिए सख्त नियम तय हैं, लेकिन इस मामले में उन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गईं। बिना अनुमति खुदाई, बिना सुरक्षा इंतजाम और बिना निगरानी के काम चलता रहा। यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सिस्टम की गहरी खामियों और संभावित मिलीभगत की ओर इशारा करता है। जनता पूछ रही है कि अगर नियम थे, तो उनका पालन क्यों नहीं हुआ? और अगर पालन नहीं हुआ, तो जिम्मेदारों पर पहले कार्यवाही क्यों नहीं की गई?

जिम्मेदारी तय होगी या फिर 'बलि के बकरे' तैयार?

जांच का सबसे अहम सवाल यही है कि इस हादसे के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? क्या सिर्फ निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर मामला खत्म कर दिया जाएगा या फिर बड़े अधिकारियों तक भी जवाबदेही पहुंचेगी? पहले ही दो अधिकारियों का निलंबन हो चुका है, लेकिन जनता इसे आधा-अधूरा कदम मान रही है। लोगों का कहना है कि जब तक असली जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसे हादसे रुकने वाले नहीं हैं। अब नजर 17 अप्रैल पर टिकी है कि क्या सच सामने आएगा या फिर सिस्टम खुद को बचा लेगा?

अमरकंटक पवित्र स्थल में मचा पानी को लेकर हाहाकार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। अमरकंटक में वार्ड नं 15 एवं बैगान मोहल्ला में पानी की निकाशी न होने से यहां के निवासियों को भारी समस्या हो रही रही है जहाँ से स्वयं तीन तीन नदियों का उद्गम हुआ हो और वहाँ पानी की समस्या आ रही हो तो बाकी जगहों में क्या होता होगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। जमुना दादर के रहवासियों का कहना है कि ये हालात महीनों से बने हुए है।

मोटर पुरानी होने की बजह से आ रही समस्या

रहवासियों का आरोप है कि महीनों पहले मोटर बिगड़ी हुई थी जिसे नई नही लगाया जाता बल्कि वही रिपेयरिंग कर चालू कर दिया जाता है जो कुछ समय में काम करना बन्द कर देती है कई महीनों से ये समस्या बनी हुई है।

कुँए का गंदा पानी पीने को मजबूर बैगा जाती के लोग।

नल सप्लाई बंद होने से बैगा जाती के लोग पुराने कुँए से पानी निकाल कर पीने को मजबूर हैं लोगों का कहना है कि महीनों से पानी नही मिल रहा जिसके कारण मजबूरी में हमे गंदा पानी पीना पड़ता है। बैगाओं के लिए जबकि सरकार हर प्रकार से मदद करती आई है।

पानी टेंकरों से सप्लाई मात्र दिखावा

पानी की सप्लाई करने के लिए नगर पंचायत से टेंकर भेजा तो जा रहा लेकिन टेंकर पुराने होने की बजह से आधा पानी या तो रास्ते मे गिर जाता है या तो एक जगह खड़े खड़े टपकते हुए निकल जाता है ड्राइवर की उदासीनता इतनी है कि एक जगह टेंकर खड़ी कर अपनी हाजरी लगा गायब हो जाते है जबकि नियमतः पानी घर घर पहुँचाना चाहिए।

नवोदय विद्यालय के बाउंड्री से लगा नल बुझा रहा मोहल्ला वासियों की प्यास

जमुना दादर में नवोदय विद्यालय की बाउंड्री बाल बनी हुई है जिसमे नवोदय विद्यालय द्वारा नल कनेक्शन फिट किया गया है जो मोहल्ला वासियों के लिए किसी वरदान से कम नही है। लगभग दो हजार से ऊपर की जनसंख्या इस पानी से अपनी प्यास बुझा रही है और नवोदय विद्यालय परिसर को लाख लाख शुभकामनाए देती है।

कबीर घाट अमरकंटक में हुई साफ-सफाई तथा किरगी में पानी चौपाल का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कबीर घाट अमरकंटक में श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई का कार्य किया गया। जिसमें जलीय घासों को हटाया गया। साथ ही अभियान के तहत शासकीय उद्यान रोपणी किरगी (राजेन्द्रग्राम) में जल के उचित प्रबंधन हेतु पानी चौपाल/कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कृषकों को पानी का महत्व बताते हुए सूक्ष्म सिंचाई पद्धति जैसे ड्रिप संयंत्र, मिनी स्प्रिंकलर एवं पोर्टेबल स्प्रिंकलर संयंत्र से सिंचाई कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक उद्यान सहित उद्यानिकी विभाग के स्टॉफ उपस्थित थे।

तीन करनपठार में डटे, एक खांड़ा में सक्रिय

अनूपपुर में हाथियों का कहर, फसल तबाह, वन विभाग पर लापरवाही के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। तीन हाथियों का समूह करनपठार के जंगल में डेरा जमाए हुए है, जबकि एक अकेला हाथी खांड़ा-पोंड़ी क्षेत्र में उत्पात मचा रहा है। बीती रात हाथियों ने कई किसानों की फसलें बर्बाद कर दीं और एक घर में तोड़फोड़ की। ग्रामीणों ने वन विभाग पर समय पर सूचना नहीं देने और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। छत्तीसगढ़ सीमा से भटककर अनूपपुर जिले में पहुंचे हाथियों का उत्पात अब गंभीर संकट का रूप ले चुका है। करीब 100 दिनों से अधिक समय से जिले के विभिन्न इलाकों में विचरण कर रहे हाथियों ने अब ग्रामीणों की नींद और चैन दोनों छीन लिए हैं। शुक्रवार को तीन हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम क्षेत्र के करनपठार जंगल में विश्राम करता नजर आया, जबकि एक अकेला हाथी खांड़ा और पोंड़ी के जंगलों में लगातार चौथे दिन सक्रिय है। रात होते ही ये हाथी जंगलों से निकलकर खेतों और बस्तियों में घुस जाते हैं और फसलों को अपना आहार बनाते हुए भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। बरबसपुर, पोंड़ी, खांड़ा और मानपुर के ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग द्वारा हाथियों की मौजूदगी की सूचना समय पर नहीं दी जाती, जिससे लोग अनजान रहते हैं और नुकसान झेलते हैं। इतना ही नहीं, दो माह पहले हाथी के हमले में एक वृद्ध की मौत के बाद भी उसके परिवार को सहायता राशि नहीं मिल पाई है, जिससे ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है।

100 दिन से ज्यादा का आतंक, करनपठार में तीन हाथियों का डेरा

छत्तीसगढ़ के मरवाही क्षेत्र से आए तीन हाथियों का समूह पिछले 100 दिनों से अधिक समय से अनूपपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विचरण कर रहा है। जैतहरी, बुढार, अहिरगवां और डिंडौरी क्षेत्रों में घूमने के बाद अब यह समूह राजेंद्रग्राम के करनपठार बीट में पहुंच गया है। शुक्रवार को ये हाथी अतरिया, कुर्सेरा और बेनीबारी गांवों के बीच जंगल में दिनभर विश्राम करते देखे गए। हालांकि शाम होते ही ये हाथी जंगल से बाहर निकलकर ग्रामीण इलाकों की ओर बढ़ते हैं और खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। ग्रामीणों द्वारा मशाल और शोर के जरिए उन्हें भगाने की कोशिश की जाती है, लेकिन इससे हाथी और अधिक आक्रामक हो रहे हैं।

खांड़ा-पोंड़ी में अकेला हाथी बना मुसीबत, घर और फसलें चट

एक अकेला हाथी बीते चार दिनों से खांड़ा, पोंड़ी और बरबसपुर क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचा रहा है। यह हाथी दिन में जंगल में छिपा रहता है और रात होते ही गांवों में घुसकर खेतों में लगी फसलें खा जाता है। कई किसानों की मेहनत की कमाई चंद घंटों में बर्बाद हो गई है। इतना ही नहीं, बरबसपुर निवासी गंगाराम पांडेय के खेत में बने मकान की दीवार भी हाथी ने तोड़ दी और सिंचाई के पाइपों को नुकसान पहुंचाया। यह हाथी कई बार राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्रामीण सड़कों को पार करता हुआ देखा गया है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

वन विभाग सोता रहा", सूचना और सुरक्षा में लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि हाथियों के गांव में प्रवेश की सूचना समय पर नहीं दी जाती। मुनादी, अलर्ट या अन्य माध्यमों से चेतावनी नहीं मिलने के कारण लोग अनजाने में खतरे के बीच आ जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब हाथी खेतों और घरों में नुकसान पहुंचाते हैं, तब भी वन विभाग का अमला देर से पहुंचता है और केवल औपचारिकता निभाते हुए खड़ा रहता है। पटाखे या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल कर हाथियों को भगाने के बजाय विभागीय कर्मचारी निष्क्रिय नजर आते हैं। इससे ग्रामीणों को खुद ही मशाल और पारंपरिक तरीकों से हाथियों को भगाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

मुआवजा नहीं, आक्रोश बढ़ा दो माह बाद भी मृतक के परिवार को राहत नहीं

बरबसपुर गांव में 12 फरवरी की रात हाथी के हमले में 70 वर्षीय रामविशाल भैना की मौत हो गई थी, लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी उनके परिजनों को सहायता राशि नहीं मिली है। इस घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों ने इस मामले को उठाते हुए प्रशासन से तत्काल मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब जान-माल का इतना बड़ा नुकसान हो रहा है, तब विभाग की निष्क्रियता अस्वीकार्य है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

गीता परिवार जयपुर द्वारा मृत्युंजय आश्रम में सात दिवसीय गीता रस महोत्सव का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मृत्युंजय आश्रम में 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक सप्त दिवसीय गीता रस महोत्सव का भव्य आयोजन गीता परिवार जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक आयोजन में राजस्थान के जयपुर सहित विभिन्न स्थानों से लगभग 200 से अधिक श्रद्धालु भक्त शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महोत्सव के दौरान साध्वी विदुषी मां शीला शर्मा द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की भावस्पर्शी कथा का वाचन किया जा रहा है, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्तगण भाव-विभोर हो रहे हैं। कथा के साथ-साथ प्रतिदिन श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ, भजन-कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे संपूर्ण वातावरण

भक्तिमय बना हुआ है। इस पावन अवसर पर गीता परिवार जयपुर द्वारा पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भजन-कीर्तन, बैंड की मधुर धुन एवं जयकारों के साथ मुख्य मार्ग से होते हुए रामघाट तक निकाली गई। रामघाट के उत्तर से दक्षिण तट तक भक्तों द्वारा विधि-विधान के साथ चुनरी अर्पित की गई तथा पूजन-अर्चन और आरती संपन्न हुई। दोपहर लगभग 12 बजे संपन्न इस अनुष्ठान में शामिल श्रद्धालु भक्त भक्ति में लीन होकर नृत्य एवं कीर्तन करते हुए माँ नर्मदा की परिक्रमा करते नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है, जो अमरकंटक की धार्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ा रहा है।

हर घर नाद अभियान,भीषण गर्मी में बेजुबानों के लिए बनी जीवनदायिनी पहल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान ठंडे पानी की व्यवस्था कर राहत महसूस कर रहा है, वहीं बेजुबान पशु-पक्षी बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। ऐसे समय में शिव मारुति युवा संगठन द्वारा संचालित "हर घर नाद" अभियान समाज के सामने एक प्रेरणादायक और उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभियान का उद्देश्य घर-घर के बाहर पानी के बर्तन (नाद) रखवाकर पशु-पक्षियों के लिए पानी की समुचित व्यवस्था करना है। अब तक संगठन द्वारा 380 से अधिक नाद रखवाए जा चुके हैं और इस वर्ष इसे और व्यापक स्तर पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि "हर घर नाद" केवल एक सेवा नहीं, बल्कि समाज में जीवों के प्रति संवेदनशीलता जगाने का अभियान है। "हर

घर नाद आइए करें शंखनाद, अब कोई मूक जीव नहीं रहेगा प्यासा" जैसे प्रेरक संदेश के साथ यह पहल तेजी से जन-जन तक पहुंच रही है। पिछले तीन वर्षों से निरंतर चल रहे इस अभियान के अंतर्गत संगठन द्वारा घर-घर पहुंच सेवा भी दी जा रही है, जिसके तहत स्वयंसेवक नाद सीधे लोगों के घर तक पहुंचा रहे हैं। इस सेवा हेतु मात्र 551 सहयोग राशि निर्धारित की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य में भागीदारी निभा सकें। संगठन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने घर के बाहर नाद रखवाएं और बेजुबान जीवों की प्यास बुझाने में योगदान दें। नाद रखवाने हेतु इच्छुक व्यक्ति सीधे संपर्क कर सकते हैं, मोबाइल नंबर: 9754554615, 9131003341 एवं 77470357341। एक छोटा सा प्रयास, किसी की जिंदगी बचा सकता है आइए, इस गर्मी में मानवता का परिचय दें।

एनएफआईआर की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा आयोजित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन का राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में एनएफआईआर व मजदूर कांग्रेस का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प प्रस्ताव है की ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली तक निरंतर संघर्षरत रहेंगे, निजीकरण को रोकना, रेल खाली पदों को भरना यही हमारा उद्देश्य है, उक्त बातें 09 व 10 अप्रैल 2026 को एनएफआईआर राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक राष्ट्रीय महामंत्री डाक्टर एम राघवैया ने कहा एनएफआईआर राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह ने नये लेबर कानून को कर्मचारी विरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की बात कही 08 पे कमीशन को जल्द लागू करने की मांग भी केन्द्र सरकार से किया। एनएफआईआर के जोनल मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव एवं मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया कि 09, 10 व 11 अप्रैल को मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के तत्वावधान में एनएफआईआर की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा आयोजित किया गया था, 09 अप्रैल को ओल्ड पेंशन स्कीम वापस करो व अन्य मांगों को लेकर बिलासपुर रेल क्षेत्र में महारैली की गई जिसमें हजारों की संख्या में रेल कर्मचारी शामिल होकर रैली को ऐतिहासिक सफलता दिलाई, 09 अप्रैल को खुले सत्र सभा में रेल महाप्रबंधक बिलासपुर तरुण प्रकाश की मुख्य अतिथि में सभा सम्पन्न हुई, कार्यक्रम अध्यक्षता एनएफआईआर राष्ट्रीय अध्यक्ष गुमान सिंह ने की, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण ने स्वागत भाषण दिया 17 जोन से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों सम्मानित किया, जोनल अध्यक्ष डीके स्वाइन ने संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला सभा का संचालन जोनल कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र रवि धल ने किया इस अधिवेशन में 17 रेल जोन के भारी संख्या में पदाधिकारी शामिल हुए।

Change of Name

Public in General is hearby informed through this notice that my name **Leela Sarkar** has been changed to Neela Sarkar. Henceforth I shall be known as **NEELA SARKAR** in future.

Old Name-Leela Sarkar
New Name-Neela Sarkar
W/o Balai Sarkar W.No. 6, Main Road, Jamuna Colony, Harad Anuppur (M.P.)